UTTARAKHAND OPEN UNIVERSITY, HALDWANI (NAINITAL)
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल)
एम०ए० प्रथम वर्ष (सत्रीय कार्य)

(**जमा करने की अन्तिम तिथि**:) 15 **मई** 2013

कोर्स शीर्षक: साहित्यशास्त्र और हिंदी समालोचना **कोर्स कोड**: **एम०ए०एच०एल०-**104

ग्रीष्मकालीन सत्र – 2012–13 **अधिकतम अंक** –40

भाग 'क' में आठ लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल चार प्रश्नों के उत्तर देने है। प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित है, तथा प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक नही होना चाहिए।

निम्न की संक्षेप में चर्चा कीजिए: 5x4=20

1) आचार्य मम्मट द्वारा प्रतिपादित काव्य प्रयोजन की व्याख्या कीजिए।
2) काव्य हेतु के संदर्भ में 'प्रतिभा' का महत्व निरूपित कीजिए।
3) भरत द्वारा प्रतिपादित रस निष्पत्ति सूत्र की व्याख्या कीजिए।
4) रिचर्ड्स के मूल्य-सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।
5) भारतीय साहित्य पर अस्तित्ववाद का प्रभाव निरूपित कीजिए।
6) तुलनात्मक आलोचना की पृष्ठभूमि एवं स्वरूप का विश्लेषण कीजिए।
7) मार्क्सवादी चिंतन के प्रमुख तर्कों की व्याख्या कीजिए।
8) क्रोचे के अभिव्यंजनावाद की मौलिकता निरूपित कीजिए।

भाग 'ख' में चार दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये है, इनमें से केवल दो प्रश्नों के उत्तर दें। प्रत्येक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित है। **10x2=20**

1) काव्य प्रयोजन संबंधी भारतीय एवं पाश्चात्य मतों का परीक्षण कीजिए।
2) अरस्तु के अनुकरण सिद्धान्त का मूल्यांकन कीजिए।
3) ध्वनि सिद्धान्त का वैशिष्ट्य स्पष्ट कीजिए।
4) अलंकार सम्प्रदाय का मूल्यांकन कीजिए।